ईश्वरीय मत पर चलने से फायदे अथवा प्राप्तियां

मनुष्य से देवता बन जाते हैं।

तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जाते हैं।

पतित से पावन बन जाते हैं।

पापात्मा से पुण्यात्मा बन जाते हैं।

नर से श्री नारायण बन जाते हैं।

नारी से श्री लक्ष्मी बन जाते हैं।

पेनी से पाउण्ड बन जाते हैं।

कौड़ी से हीरा बन जाते हैं।

भ्रष्टाचारी से श्रेष्ठाचारी बन जाते हैं।

कांटों से फूल बन जाते हैं।

रोगी से निरोगी बन जाते हैं।

दुःखी से सुखी बन जाते हैं।

अशान्त से शान्त बन जाते हैं।

सांवरे से गोरा बन जाते हैं।

शाम से सुन्दर बन जाते हैं।

रंक से राजा बन जाते हैं।

गरीब से अमीर बन जाते हैं।

नर्कवासी से स्वर्गवासी बन जाते हैं।

निर्गुण से सर्वगुण संपन्न बन जाते हैं।

जीवनबन्ध से जीवनमुक्त बन जाते हैं।

विकारी से निर्विकारी बन जाते हैं।

अंहकारी से निरंहकारी बन जाते हैं।

अभिमानी से देहीअभिमानी बन जाते हैं।

छीः-छीः से गुलगुल बन जाते हैं।

पत्थरबुद्धि से पारसबुद्धि बन जाते हैं।

तुच्छबुद्धि से विशालबुद्धि बन जाते हैं।

मलेच्छबुद्धि से स्वच्छबुद्धि बन जाते हैं।

आसुरीबुद्धि से दैवीबुद्धि बन जाते हैं।

लूनपानी से खीरखण्ड बन जाते हैं।

नास्तिक से आस्तिक बन जाते हैं।

बाह्यमुखी से अन्तर्मुखी बन जाते हैं।

भिखारी से अधिकारी बन जाते हैं।

बेसमझ से समझदार बन जाते हैं।

शुद्र सो ब्राह्मण सो देवता बन जाते हैं।

भक्त अथवा अज्ञानी से ज्ञानी बन जाते हैं।

भोगी से राजयोगी बन जाते हैं।

निर्बल से बलवान बन जाते हैं।

बेगर से प्रिन्स बन जाते हैं।

कनिष्ट सो उत्तम सो पुरूषोत्तम बन जाते हैं।

निराशावादी से आशावादी बन जाते हैं।

हठयोगी से सहजयोगी बन जाते हैं।

शक्तिहीन से शक्तिशाली बन जाते हैं।

कड़वे से मीठा बन जाते हैं।

कब्रिस्तानी से परिस्तानी बन जाते हैं।

विपरीतबुद्धि से प्रीतबुद्धि बन जाते हैं।

गृहस्थी से ट्रस्टी बन जाते हैं।

अनराईटिस से राईटियस बन जाते हैं।

इनसालवेन्ट से सालवेन्ट बन जाते हैं।

संशयबुद्धि से निश्चयबुद्धि बन जाते हैं।

असन्तुष्ट से सन्तुष्टमणि बन जाते हैं।

रावण सम्प्रदाय से राम सम्प्रदाय के बन जाते हैं।